नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणाप्रतापस्नातकोत्तरमहाविद्यालय

जंगल धूसड़-गोरखपुर

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416

मो.9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 16.01.2019

प्रकाशनार्थ

भारत–भारतीय पखवारा के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन के मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय भूगोल विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ0 शिवाकान्त सिंह रहें। अपने विशिष्ट उद्‌बोधन में प्रो0 सिंह ने वर्तमान पर्यावरणीय समस्याओं से उपजी मानव स्वास्थ्य समस्या और प्रदूषण से सम्बन्धित बातों का उल्लेख किया उन्होंनें कहा कि प्रदूषण किसी देश की समस्या नहीं अपितु एक वैश्विक समस्या है, जिससे समूचा विश्व समुदाय जूझ रहा है बढ़ते प्रदूषण ने विश्व पर्यावरण समुदाय को क्षतिग्रस्त कर उसे असन्तुलित बना डाला है और अनेक स्वरूपों में मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा बढ़ा दिया है। मानव द्वारा अनियोजित विकास के कारण आज धरती पर जीवन खतरे में है। प्रति वर्ष कार्बन डाईआक्साइड, मोनो आक्साइड की औसत से अधिक वृद्धि के कारण वैश्विक ताप बढ़ रहा है जिससे निरन्तर पृथ्वी गर्म होती चली जा रही है। ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। मानव द्वारा उत्सर्जित हानिकारक ग्रीन हाऊस गैसों की सान्द्रणता वायुमण्डल के निचली परतों में बढ़ते के कारण वायुमण्डलीय मौसमी अस्थिरता रही है जिससे अम्लीय वर्षा, ऊष्मा दीपों में वृद्धि होती जा रही है। जिसका तत्कालिक प्रतिकूल प्रभाव पर्यावरण जीव जगत एवं मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। मानव अपने भौतिक सुख सुविधाओं की खोज में जिस डाल पर बैठा है उसी डाल को काट रहा है। आज पृथ्वी पर पर्यावरण अवनयन, जलवायु परिवर्तन एवं भूमण्डलीय उष्मीकरण जैसी विनाशकारी घटनाएं जीव जगत के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती के रूप मे घटित हो रही है। ग्लोबलवार्मिंग तथा ग्रीन हाऊस प्रभाव के फलस्वरूप समुद्र के सतह में निरन्तर वृद्धि हो रही है जिससे तटवर्ती क्षेत्रों में बसे हुए नगरों के जन जीवन को हानि होने की सम्भावना हैं। वायु, प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि, मृदा, प्रदूषण एवं मरूस्थलीयकरण की समस्या बढ़ रही हैं, बढ़ते औद्योगिकरण नगरों में ठोस अवशिष्ट के निस्तारण हेतु एवं सामाजिक समस्या बढती जा रही है। इस प्रकार पर्यावरण प्रदूषण एक बहुत बड़ी चुनौती है, हम सभी भूगोल वक्ताओं एवं पर्यावरणविदों का कर्तव्य है कि पर्यावरणीय अवनयन की समस्या एवं चुनौतियों के समाधान हेतु गहन चिन्ता किया जाए। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग के डॉ0 अजय प्रताप निषाद ने किया तथा आभार ज्ञापन सुश्री शालू श्रीवास्तव ने किया। मुख्य वक्ता का स्वागत एवं उत्तरी भेंट डॉ0 विजय चौधरी एवं प्रवीन्द्र कुमार शाही ने कियां। इस अवसर पर प्राध्यापक गण डॉ0 अविनाश सिंह डॉ0 मन्जेश्वर शर्मा, डॉ0 आर0एन0 सिंह, डॉ0 एस0के0 बर्नवाल, डॉ0 सुबोध मिश्र एवं विद्यार्थीगण भारी मात्रा में उपस्थित रहें।

(डॉ0 राजेश शुक्ल)
सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी